हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मंगलवार, 03 अक्तूबर 2017, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

PAGE No :5,TOP

स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री राममूर्ति की 29वीं पुण्यतिथि पर हुआ आयोजन

एसआरएमएस ने बांटी तीन करोड़ की छात्रवृत्ति

बरेली | प्रमुख संवाददाता

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी व पूर्व मंत्री राममूर्ति की 29वीं पुण्यतिथि पर श्री राम मूर्ति स्मारक (एसआरएमएस) ट्रस्ट ने के 735 छात्र/छात्राओं को 3 करोड़ की छात्रवृत्ति बांटी।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के सभी महाविद्यालयों एसआरएमएस सीईटी, एसआरएमएस आईएमएस व एसआरएमएस सीईटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन मनाने के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला और चेयरमैन देवमूर्ति ने पूर्व मंत्री राममूर्ति को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ की। इस दौरान श्यामलाल कनौजिया, गुरु महरोत्रा, अश्वनी ओबराय, प्रेमप्रकाश गुप्ता, बरेली कॉलेज के प्राचार्य डा. अजय शर्मा, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। राममूर्ति का 2 अक्टूबर 1988 को देहावसान हुआ था। चेयरमैन देवमूर्ति ने बताया कि छात्रवृत्ति की शुरूआत 11 लोग और 21,000 रुपये देने से प्रारम्भ हुई। अब 735 विद्यार्थियों को 3 करोड़ रुपये प्रदान करने तक पहुंच गई है। देवमूर्ति ने कहा कि ट्रस्ट ने पांच साल पहले 365 रुपये में एक परिवार को 50 हजार रुपये तक के इलाज की घोषणा प्रारम्भ की थी।

पूर्व मंत्री राममूर्ति की 29वीं पुण्यतिथि पर एसआरएमएस के विद्यार्थी सम्मानित हुए।

735 छात्रों को समारोह में बांटी गई छात्रवृत्ति

50 लोगों ने किया कार्यक्रम के दौरान रक्तदान

अमित व सईद को मिले 1.25 लाख

एमबीबीएस टॉपर अमित, संध्या यादव और सईद मोहम्मद अकरम को 1.25 रुपये की छात्रवृत्ति मिली। वहीं शुभी अग्रवाल, रिया जिंदल और अनुराधा गौड़ को 1-1 लाख रुपये मिले।

कहानी प्रतियोगिता के विजेताओ को पुरस्कार

कहानी प्रतियोगिता में अंशिका अग्रहरि को 5100 रुपये का प्रथम पुरस्कार, वारिश गौतम को 4100 रुपये द्वितीय पुरस्कार और नेहा सुरभि सागर को 3100 रुपये तृतीय पुरस्कार के रूप में मिले। जीआरएम को कनिष्ठ वर्ग की तथा एसआरएमएस सीईटी को वरिष्ठ वर्ग वाद-विवाद प्रतियोगिता की चल वैजयंती प्रदान की गई।